(c) These mills are located mainly in Maharashtra, Uttar Pradesh, Tamil Nadu and Gujarat.

(d) BIFR has been established by the Government to evolve and manage rehabilitation packages in respect of viable sick/closed textile mills.

**कपड़ा मिलों को बंद किया जाना**

2050. **श्री वीरेन जे० शाह :**
**श्री राम जेठमलानी :**

क्या **वस्त्र मंत्री** यह बताने की कृपा करेंग कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कपड़ा उद्योग में उत्पन्न अवरोधों के कारण 1175 मिलों में से 132 कपड़ा मिलें पूर्णतया बंद हो गयी हैं ;

(ख) यदि हां, तो उन बंद मिलों में मार्च, 1994 तक कुल कितना पूंजी निवेश था और उनमें कार्य कर रहे स्थायी तथा अस्थायी कर्मचारियों की संख्या कितनी थी ;

(ग) क्या यह सच है कि सूती वस्त्र संबंधी औद्योगिक समिति की हाल में हुई त्रिपक्षीय बैठक में 1985 में घोषित कपड़ा नीति की समीक्षा करने की आवश्यकता अनुभव की गई ;

(घ) यदि हां, तो क्या वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार पिछली कपड़ा नीति में संशोधन करने के लिए सरकार द्वारा कोई कार्रवाई की जा रही है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी)** (क) 29 मिलें सरकारी समापन के अधीन हैं। 30-6-1994 को विभिन्न कारणों से 100 सूती/मानव निर्मित फाइबर वस्त्र मिलें अस्थाई रूप से बंद पड़ी हैं। लेकिन आई डी अधिनियम के अंतर्गत कोई भी सूती मानव/निर्मित फाइबर मिल बद नहीं है।

(ख) मिलों का बंद होना सामान्यतः अस्थाई होता है। कुछ बंद पड़ी हुई मिलें दुबारा खुल जाती हैं जबकि कुछ चालू मिलें अस्थाई रूप से पुनः बंद हो जाती हैं इसलिए उसमें लगे निवेश में परिवर्तन होता रहा है। 31-3-1994 तक की स्थिति के अनुसार इन मिलों में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या 1.73 लाख थी।

(ग) जी हां।

(घ) और (ङ) समिति के सदस्यों को यह बता दिया गया है कि वस्त्र नीति के मौजूदा उपबंधों को उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त माना गया है। यह भी बताया गया था कि नीति की पुनरीक्षा एक सतत प्रक्रिया है तथा क्षेत्रीय आवश्यकताओं को समय पर पूरा किया जाता है।

**कपड़े का उत्पादन**

2051. **श्री वीरेन जे० शाह :**
**श्री राम जेठ मलानी :**

क्या **वस्त्र मंत्री** यह बताने की कृपा करेंग कि :

(क) क्या यह सच है कि कपड़े का उत्पादन मुख्यतः मिलों, हथकरघों तथा विद्यूतकरघों के तीन क्षेत्रों में किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक क्षेत्र में कपड़े का वर्ष-वार कितना-कितना उत्पादन किया गया ;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान अलग-अलग वर्ष में इन क्षेत्रों में नियोजित लोगों की कुल संख्या कितनी है ;

(घ) क्या यह सच है कि सरकार ने इन क्षेत्रों के विकास के लिए अलग-अलग योजनाएं बनाई हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान इन योजनाओं पर प्रति वर्ष खर्च की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है ?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी)** : (क) जी हां।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक क्षेत्र में कपड़े का उत्पादन निम्नानुसार रहा है :

(मिलियन वर्ग मी० में)

| वर्ष | मिल क्षेत्र | हथकरघा क्षेत्र | *विद्युतकरघा क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| 1991-92 . . . | 2376 | 4123 | 16089 |
| 1992-93 . . . | 2000 | 5219 | 17826 |
| 1993 94 . . . (अनुमानित) | 1990 | 5851 | 19631 |

*होजरी सहित

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान इन क्षेत्रों में नियोजित कर्मचारियों की कुल संख्या का अनुमान निम्न अनुसार लगाया गया है :

(लाख रुपये में)

| वर्ष | मिल क्षेत्र | हथकरघा क्षेत्र | विद्युत करघा क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| 1991-92 . . . | 10.56 | 100.00 | 57.29 |
| 1992-93 . . . | 10.20 | 112.25 | 60.00 |
| 1993-94 . . . (अनुमानित) | 10.25 | 124.82 | 62.00 |

(घ) जी, हां ।

(ङ) पिछले तीन वर्षों के दौरान पृथक रूप से विभिन्न योजनाओं पर खर्च की गई राशियों के ब्यौरे निम्नानुसार हैं :—

(लाख रु० में)

| क्रम सं० | योजना का नाम | 1991–92 | 1992–93 | 1993-94 |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | स्विस ऋण/वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से निधियां जुटाकर एन टी सी मिलों का आधुनिकीकरण | 4000.95 (लगभग) | 5600.72 (लगभग) | 1100.46 (लगभग) |
| | हथकरघा क्षेत्र | | | |
| 1. | बाजार विकास सहायता . | 280.98 | 358.63 | 375.00 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 2. | निराश्रय बुनकरों के लिए मार्जिन मनी . . | 10.50 | 50.50 | 29.50 |
| 3. | परियोजना पैकेज योजना . | 17.50 | 55.24 | 152.41 |
| 4. | एकीकृत हथकरघा ग्राम विकास योजना . . . | 27.00 | 30.00 | 68.50 |
| 5. | कार्यशाला सह-गृह . . | 49.00 | 60.00 | 40.00 |
| 6. | हथकरघा विकास केन्द्र . | — | — | 178.30 |
| 7. | अनुसंधान एंव विकास . | 15.56 | 00.50 | — |
| | विद्युतकरघा क्षेत्र | | | |
| 1. | विद्युत करघा सेवा केन्द्र . | 73.16 | 100 1; | 144.11 |
| 2. | विद्युतकरघा कामगार बीमा योजना | — | — | 24.35 |
| 3. | कम्प्यूटर सहायित डिजाइन केन्द्र | — | — | 150.00 |

**उत्तर प्रदेश में बुनकरों की दशा सुधारने के लिए किए जाने वाले उपाय**

2052. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार उत्तर प्रदेश में बुनकरों की दशा में व्यापक सुधार लाने के लिए क्या कदम उठा रही है ; और

(ख) इस संबंध में यदि कोई प्रस्तावित योजना है, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी)** : (क) और (ख) भारत सरकार देश के हथकरघा बुनकरों जिसमें उत्तर प्रदेश के बुनकर भी शामिल हैं के विकास, कल्याण और उनकी स्थिति में सुधार लाने हेतु कई योजनाएं कार्यान्वित कर रही है । ये कार्यक्रम और योजनाएं कच्चे माल की आपूर्ति, करघों का आधुनिकीकरण, उत्पादन में वृद्धि करने, हथकरघा उत्पादकों की क्वालिटी में सुधार और अच्छी फिनिशिंग लाने के लिए प्रौद्योगिकी और अन्य निवेश का प्रावधान तथा हथकरघा क्षेत्र में कुछ मदों को अनन्य रूप से उत्पादन के लिए आरक्षित करके पावरलूम क्षेत्र को चपेट से बचाने पर मुख्य ध्यान देते है ।

वर्ष 1993-94 के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर निम्नलिखित योजनाओं के लिए राशि जारी की गई ।